Nai Dunia (Indore), 3rd June 2011, Page-1

आईआईटी को हरी झंडी

भाषा सिंह ● नई दिल्ली

इंदौर आईआईटी के नए परिसर को गुरुवार को पर्यावरण मंत्रालय ने हरी झंडी दे दी।

■ आपत्तियों को किया दरकिनार

इंदौर के सिमरोल में प्रस्तावित परिसर को लेकर विवाद को जयराम रमेश ने मंजूरी देकर विराम लगा दिया। हालाँकि मंत्रालय की अपनी कमेटी ने इस मंजूरी के खिलाफ राय दी थी। ये नया परिसर वन क्षेत्र में बनाया जा रहा है और इसके निर्माण के लिए करीब 7,000 पेड़ कटने थे। अब नए प्रस्ताव के मुताबिक केवल 1100 पेड़ कटेंगे और परिसर में पेड़ों की कटाई की एवज में नए पौधे लगाए जाएँगे। मंत्रालय ने नए परिसर के प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि इतने पेड़ नहीं काटे जा सकते और सरकार ने कहा था कि इस परिसर के लिए दूसरी जगह दे। -शेष पेज 16 पर

आईआईटी...(पेज 1 से जारी)

ये कहते हुए इस परिसर के काम को रोक देने का आदेश दिया था। इसके बाद मप्र सरकार ने इस परिसर को मंजूरी देने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने जयराम रमेश से इस मुद्दे पर बात की और पत्र भी लिखा। नए परिसर की मूल योजना में परिवर्तन किया गया और ये दिखाने की कोशिश की गई कि वन क्षेत्र को कम नुकसान होगा।

इंदौर के कांग्रेस नेता अभय दुबे ने भी इस मुद्दे पर जयराम से मुलाकात की और मंजूरी देने के लिए दबाव बनाया। गौरतलब है कि आईआईटी इंदौर के परिसर के लिए 80 हेक्टेयर वन भूमि का भू-उपयोग बदलने के लिए केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री के पास मंजूरी के लिए प्रस्ताव आया था। इस प्रस्ताव को मंत्रालय की वन सलाहकार समिति (एफएसी) ने खारिज कर दिया था, जिसके आधार पर काम रोक दिया गया था। फिर राज्य सरकार के नए सुझाव पर 1 जून को एफएसी की बैठक दोबारा हुई।